भारत ही दिखाएगा दुनिया को शांति की राह : योगी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने सत्य, अहिंसा और बंधुत्व की राह पर सदैव विश्व का नेतृत्व किया है। हमारी ऋषि परंपरा के प्रसाद के रूप में योग, ध्यान और समाधि अवस्थाओं का प्रचार किया गया। भारतीय ऋषि परंपरा के प्रसाद को पूरब से पश्चिम तक पहुंचाने वाले परमहंस योगानंद एक महान संत थे। जब भी विश्व शांति की बात आएगी, दुनिया को राह भारत ही दिखाएगा। सीएम शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया की ओर से परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती पर हुए समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि परमहंस योगानंद का जन्म 5

सीएम आवास में मनाई गई परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती

जनवरी, 1893 को गोरखपुर में हुआ था। वे गोरखपुर में 8 वर्ष रहे, फिर वहां से अविभाजित बंगाल चले गए। योगानंद ने अपने 61 वर्ष के जीवन में से 32 वर्ष का समय विदेशों में देकर भारत के साधना मार्गों से विश्व को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि साधनाओं का मार्ग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन सभी का लक्ष्य एक है। परमहंस योगानंद ने मानवता के कल्याण के लिए जो मार्ग प्रशस्त किया, वह वर्तमान में काफी प्रासंगिक है। शांति और योग के उच्चतम आयाम का रास्ता भारत ने ही दिखाया है। दुनिया में भारतीय संस्कृति व सभ्यता के प्रचार में परमहंस योगानंद का अतुलनीय योगदान था।

130 करोड़ लोगों तक रही दीपोत्सव की पहुंच

सीएम ने कहा कि छह नवंबर को अयोध्या में हुए दीपोत्सव के बारे में हमने अपनी सोशल मीडिया टीम से पूछा कि इसकी पहुंच कितनी रही। हमें बताया गया कि 130 करोड़ लोगों तक इसकी पहुंच रही। जब भी राजनीति से हटकर आम जनता से जुड़कर कोई काम होता है तो इसी तरह का उत्साह नजर आता है। इसी तरह से जब रामायण सीरियल शुरू हुआ तो लोग उससे जुड़े। राम का जीवन लोक व्यवहार का जीवन है। सरकार ऐसे आयोजनों से लोगों को जोड़ने का प्रयास आगे भी करती रहेगी।

अध्यात्म और लोक कल्याण के लिए समर्पित है योगी सरकार : भूपेंद्र

राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जीवन जीने का सही तरीका सिर्फ ज्ञान नहीं है, बल्कि उसकी अनुभूति है। परमहंस योगानंद ने क्रियायोग के माध्यम से असीम होने का अनुभव दिया है। यह पद्धति खुद को बदलकर व्यापक परिवर्तन के अनुभव का प्रयास है। उन्होंने परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती को केंद्र सरकार की ओर से मनाए जाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। कहा कि अध्यात्म के प्रति यह आयोजन प्रदेश सरकार के लोक कल्याण के प्रति संकल्प दर्शाता है। योगदा सत्संग सोसायटी, रांची के प्रशासक स्वामी ईश्वरानंद गिरि ने बताया कि यह कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया है। उन्होंने परमहंस योगानंदजी के जीवन और कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद लोगों को ध्यान का अभ्यास भी कराया। उन्होंने सीएम को स्मृति चिह्न के रूप में लीची का एक पौधा भी भेंट किया। यह पौधा लीची के उसी वृक्ष की पौध है, जिसके नीचे बैठकर परमहंस योगानंदजी ध्यान करते थे।